

Apna Study Apna Group

Class 10 Social Science

**Most Important
Subjective Questions**

**QUESTIONS
WITH ANSWERS**

By ASAG



1. राष्ट्रवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर— राष्ट्रवाद किसी राष्ट्र की सामूहिक पहचान होती है। जो लोगों को एक समूह, इतिहास, परंपरा, भाषा, जातीयता और संस्कृति के आधार पर स्वयं को एकीकृत करती है।

2. निरंकुशवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर— ऐसी शासन व्यवस्था और सरकार जिस पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं रहता इतिहास में ऐसी राजशाही सरकार को निरंकुश सरकार कहते हैं जो अत्यंत केंद्रीकृत, सैन्य बल पर आधारित और दमनकारी सरकारें होती हैं।

3. कल्पना दर्श (यूटोपिया) क्या है?

उत्तर— एक ऐसे समाज की कल्पना करना, जो इतना आदर्श है कि उसका साकार होना लगभग अंसभव प्रतीत होता है।

1. हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं?

उत्तर— किसी समूह में व्यक्ति की स्थिति अलग—अलग होती है। एक समूह की तुलना दूसरे समूह से करने के लिए हम औसत का प्रयोग करते हैं। संपूर्ण जनसंख्या की औसत आय जान कर हम दूसरे देश की औसत आय से तुलना करते हैं।

2. वैश्वीकरण से क्या समझते हैं? अपने शब्दों में उत्तर दे।

उत्तर— वैश्वीकरण का अर्थ होता है कि घरेलू बाजार को विश्व बाजार के साथ व्यापार, पूँजी, तकनीक, श्रम एवं सेवाओं के मुक्त प्रवाह के साथ जोड़ना या समन्वय करना। इसका घनिष्ठ संबंध उदारीकरण तथा निजीकरण की नीतियों के साथ है। वैश्वीकरण की अवधारणा निम्नांकित तथ्यों पर निर्भर करती है।

1. विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का मुक्त प्रवाह।

2. विदेशी निवेश अथवा पूँजी का मुक्त प्रवाह।

3. टेक्नोलॉजी का मुक्त प्रवाह।

4. विश्व के विभिन्न देशों के बीच श्रम का मुक्त प्रवाह।

5. 1991 ई० की नयी आर्थिक नीति के बनने के बाद भारत में वैश्वीकरण को प्रोत्साहन मिला है।

3. रॉलेट एक्ट क्या था?

उत्तर— रॉलेट एक्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा 1919 में पारित किया गया एक काला कानून था। इस कानून के जरिए सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को कुचलने और राजनीतिक कैदियों को 2 साल तक बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रखने का अधिकार मिल गया था।

4. बहुराष्ट्रीय कंपनियां किन्हें कहा जाता हैं?

उत्तर— बहुराष्ट्रीय कंपनी वह है जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर स्वामित्व या नियंत्रण रखती है।

5. ऑटोमन साम्राज्य से क्या तात्पर्य है?

उत्तर— ऑटोमन साम्राज्य अर्थात् उस्मानी सल्तनत 1299 में पश्मिमोत्तर अनातोलिया में स्थापित एक तुर्क राज्य था। इस साम्राज्य के अंतर्गत पश्चिम एशिया और यूरोप के कुछ देश आते थे। जिसके संस्थापक उस्मान प्रथम थे। महमद द्वितीय द्वारा 1493 प्रथम विश्वयुद्ध 1919 में पराजित होने पर इसका विभाजन कर इस पर अधिकार कर लिया गया।

11. मैजिनी क्या था?

उत्तर— मैजिनी इटली का एक क्रांतिकारी राष्ट्रवादी व्यक्ति था जिसका जन्म 22 जून 1807 में जेनेवा में हुआ था वह कार्बोनारी नामक गुप्त क्रांतिकारी संगठन का सदस्य था तथा 1831 में उसने यंग इटली और यंग यूरोप नामक दो भूमिगत संगठनों की स्थापना की थी।

12. जर्मनी के एकीकरण में क्या बाधाएं थीं?

उत्तर— जर्मनी के एकीकरण में अनेक बाधाएं थीं। 19वीं शताब्दी में जर्मनी 300 से ज्यादा टुकड़ों में बंटा हुआ था जिसे एकीकृत करना एक बड़ी समस्या थी। सभी छोटे-बड़े सम्राट अपने स्वार्थवश अपनी गद्दी छोड़ने को तैयार नहीं थे दूसरी ओर जर्मनी ऑस्ट्रिया के अधीन होगा या प्रशा के अधीन यह भी एक बहुत बड़ी समस्या थी।

13. 'रूपक' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर— जब किसी अमूर्त विचार जैसे ;स्वतंत्रता, मुकित, ईर्ष्या, लालच आदि द्वारा को किसी व्यक्ति या किसी चीज द्वारा इंगित किया जाता है तो उसे रूपक कहा जाता है।

14. नृजातीय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—एक साझा नस्ली जनजातीय या सांस्कृतिक उद्घम या पृष्ठभूमि जिसे कोई समुदाय अपनी पहचान मानता है।

2. वर्ण व्यवस्था क्या है?

उत्तर—जाति समूहों का पदानुक्रम जिसमें एक जाति के लोग हर हाल में सामाजिक पायदान में सबसे ऊपर रहेंगे तो किसी अन्य जाति समूह के लोग क्रमागत के रूप में उनके नीचे।

3. टांका क्या है?

उत्तर—टांका में वर्षा जल अगली वर्षा तक संग्रहित किया जा सकता है। यह इसे जल की कमी वाले ग्रीष्म तक पीने का जल उपलब्ध करवाने वाला जल स्रोत बनाता है।

2. भारत के किन्हीं दो महत्वपूर्ण लौह—अयस्क उत्पादक राज्यों के नाम लिखें।

उत्तर—1. कर्नाटक 2. उड़ीसा

3. पितृप्रधान का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर—इसका शाब्दिक अर्थ तो पिता का शासन है पर इस पद का प्रयोग महिलाओं की तुलना में पुरुषों को ज्यादा महत्व, ज्यादा शक्ति देनो वाली व्यवस्था के लिए भी किया जाता है।

3. शहरीकरण किसे कहते हैं?

उत्तर—ग्रामीण इलाकों से निकलकर लोगों का शहरों में बसना शहरीकरण कहलाता है।

4. बहुउद्धीय नदी परियोजनाओं से होने से कोई दो लाभ लिखें।

उत्तर—1. विद्युत उत्पादन करना।

2. बाढ़ों पर नियंत्रण पाना।

3. पंरपरागत ऊर्जा के दो स्रोतों के नाम लिखें।

उत्तर—1. कोयला 2. पेट्रोलियम 3. प्राकृतिक गैस

3. वैश्वीकरण क्या है?

उत्तर— वैश्वीकरण का अर्थ अपनी अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था से सामंजस्य स्थापित करना तथा किसी वस्तु, सेवा, विचारपद्धति, पूँजी, बौद्धिक संपदा अथवा सिद्धांत को विश्वव्यापी करना और विश्व के प्रत्येक देश का अन्य देशों के साथ अप्रतिबंधित आदान-प्रदान करना।

4. जी-77 से क्या तात्पर्य है?

उत्तर— 50 और 60 के दशक में विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था की तेज प्रगति से कोई लाभ नहीं मिला इसलिए उन्होंने अपना एक नया समूह बनाया जो जी-77 के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

6. वीटों का क्या अर्थ है?

उत्तर— निषेधाधिकार। इसका यह मतलब है कि अगर किसी प्रस्ताव के पक्ष में सभी देश एकमत हो पर एक देश प्रस्ताव के पक्ष में नहीं है तो वह एक देश अपने शक्ति का इस्तेमाल कर उस प्रस्ताव को खारिज कर देता है।

7. रिंडरपेस्ट क्या है?

उत्तर— रिंडरपेस्ट पशुओं में होने वाली एक खतरनाक बीमारी है, जो 1890 के दशक में पूरे अफ्रीका महाद्वीप में फैल गई जिससे अफ्रीका में हजारों पशुओं की मौत हो गई और वहां के लोगों की आजीविका पर गहरा असर पड़ा।

4. भारत की विधायिकों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है?

उत्तर— भारत की विधायिकों में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत ही कम है। लोकसभा में महिला सांसदों की गिनती 10% से भी कम है।

5. बांध से क्या समझते हैं?

उत्तर— बहते जल को रोकने, दिशा देने का बहाव कम करने के लिए खड़ी की गई बाधा है जो आमतौर पर जलाशय, झील अथवा जल भरण बनाती है।

4. भूतापीय उर्जा क्या है?

उत्तर— पृथ्वी के आंतरिक भागों से ताप का प्रयोग कर उत्पन्न की जाने वाले विद्युत को भूतापीय उर्जा कहते हैं।

5. लैंगिक असमानता किसे कहते हैं?

उत्तर— जब पुरुषों एवं महिलाओं में किसी भी प्रकार का भेदभाव किया जाता है तो उसे लैंगिक असमानता कहते हैं।

5. तीन प्रकार की सामाजिक विषमताओं के नाम लिखे।

उत्तर— लिंग, धर्म और जाति पर आधारित सामाजिक विषमताएं।

4. पारिवारिक कानून क्या है?

उत्तर— विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से संबंधित कानून। हमारे देश में सभी धर्मों के लिए अलग-अलग पारिवारिक कानून हैं।

5.लौह खनिज और अलौह खनिज में अंतर स्पष्ट करे।

उत्तर—लौह खनिज

1.लौह खनिज में कठोरता पाई जाती है।

2.लौह खनिज प्रायः भूरे रंग के होते हैं।

3.लोहा,बॉक्साइट,मैग्नीज आदि के खनिज के उदाहरण हैं।

अलौह खनिज

1.अलौह खनिज में कठोरता नहीं पायी जाती है।

2.अलौह खनिज कई रंगों के होते हैं।

3.सीसा,जस्ता,अभ्रक,सोना आदि अलौह खनिज के उदाहरण हैं।

2.वर्षा जल संग्रहण क्या है?

उत्तर—वर्षा जल संग्रहण भूमिगत जल की क्षमता को बढ़ाने की तकनीक है।इसमें वर्षा के जल को रोकने और इकट्ठा करने के लिए विशेष ढांचों जैसे—कुएं,गढ़े,बांध आदि का निर्माण किया जाता है।इसके द्वारा न केवल जल का संग्रहण होता है,अपितु जल को भूमिगत होने के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं।

2.जातिवाद क्या है?

उत्तर—समाज में जाति के आधार पर उच्च जाति एवं निम्न जाति के बीच उत्पन्न सामाजिक तनाव एवं भेदपूर्ण रवैया जातिवाद कहलाता है।

6.खिलाफत आंदोलन की शुरुआत किसने की?

उत्तर—खिलाफत आंदोलन की शुरुआत मोहम्मद अली और शौकत अली नामक दो अली बंधुओं ने की।जब उन्हें पता चला कि ऑटोमन तुर्की की हार के बाद ऑटोमन सम्राट पर एक सख्त संधि थोपी जाएगी,तब उनकी अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने 1919 में मुंबई में खिलाफत समिति का गठन कर आंदोलन की शुरुआत की।

7.राष्ट्रीय आय की परिभाषा लिखे।

उत्तर—भारत की विधायिकाओं (संसद एवं प्रांतीय विधानसंघों) में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात बहुत ही कम है।लोकसभा में महिला सांसदों की गिनती 10% से कम है।

8.विदेशी निवेश से क्या तात्पर्य है?

उत्तर—जब कोई कंपनी या एक देश का व्यक्ति दूसरे देश में स्थित कंपनी की संपत्ति या स्वामित्व में हिस्सेदारी में निवेश करता है तब उसे विदेशी निवेश कहते हैं।

9.गांधी—इरविन समझौता कब हुआ?इसकी कोई एक शर्त बताएं।

उत्तर—5मार्च,1931 को गांधीजी और इरविन के बीच समझौता हुआ था।इस समझौते में सरकार ने वचन दिया कि हिंसा के आरोप में गिरफ्तार लोगों को छोड़कर सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा।

12.विदेशी व्यापार किसे कहते हैं?

उत्तर—वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत उत्पादित माल को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बिक्रय के लिए पहुंचाया जाता है।इसके अंतर्गत आयात एवं निर्यात दोनों ही होता है।

2. बहिष्कार शब्द का क्या तात्पर्य है?

उत्तर—आमतौर पर यह विरोध का एक रूप होता है। बहिष्कार का अर्थ है—किसी के साथ संपर्क रखने और जुँड़ने से इंकार करना, गतिविधियों में हिस्सेदारी से स्वयं को अलग रखना तथा उसकी चीजों को खरीदने तथा इस्तेमाल करने से इंकार करना।

3. साइमन कमीशन का गठन क्यों किया गया था?

उत्तर—सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक वैधानिक आयोग का गठन किया गया। राष्ट्रवादी आंदोलन के जवाब में गठित किए गए इस आयोग को भारत की संवैधानिक व्यवस्था की कार्यशैली का अध्ययन करना था और उसके बारे में सुझाव देने थे।

1. सतत पोषणीय विकास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—सतत पोषणीय विकास का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाए, और वर्तमान में विकास की प्रक्रिया चलती रहे और भविष्य की पीढ़ी के लिए भी संसाधन बनता रहे।

2. जैव संसाधन किसे कहते हैं?

उत्तर—ऐसे संसाधन जिनमें जीवन व्याप्त है उसे जैव संसाधन कहते हैं जैसे—पशु, मनुष्य, मत्स्य, वनस्पति आदि।

3. मृदा अपरदन किसे कहते हैं?

उत्तर—मृदा के कटाव और उसके बहाव की प्रक्रिया को मृदा अपरदन कहा जाता है। प्राकृतिक कारणों एवं मानव निर्मित कारणों के द्वारा मिट्टी के उपरा सतह का बहाव हो जाता है उसे मृदा अपरदन कहते हैं।

4. जैव विविधता क्या है?

उत्तर—वन्य जीवन और कृषि फसलों में जो इतनी विविधता पाई जाती है उसे जैव-विविधता कहते हैं।

5. पारितंत्र की परिभाषा दीजिए?

उत्तर—पारितंत्र का अर्थ है उस स्थान के भौतिक वातावरण से है जो उस क्षेत्र के सभी प्रकार के पौधों, पक्षियों और जानवरों से बनता है।

9. विनिर्माण क्या है?

उत्तर—कच्चे पदार्थ को मूल्यवान उत्पादों में परिवर्तित करने तथा अधिक मात्रा में उनका उत्पादन करने की प्रक्रिया को वस्तु निर्माण या विनिर्माण कहा जाता है।

14. इंटरनेट से क्या लाभ हो रहा है?

उत्तर—इंटरनेट द्वारा आप सभी प्रकार की जानकारियों जिन्हें आप जानना चाहते हैं, आप एकदम प्राप्त कर सकते हैं।

31. उदारवाद का क्या अर्थ है?

उत्तर—उदारवाद का अर्थ आजादी या स्वंत्रता होता है। यह एक ऐसी विचारधारा है जो सत्ता का केंद्रकरण का विरोध करता है तथा लोगों के स्वंत्रता का समर्थन करता है।

32. गिरमिटिया मजदूर कौन थे?

उत्तर— औपनिवेशिक शायन के मौजूद बहुत सारे लोगों को काम करने के लिए फ्री जी गायना वेस्टइंडीज जैसे—दूसरे देशों में ले जाया गया था जिन्हें बाद में गिरमिटिया मजदूर कहा जाने लगा।

33. बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं से होने वाले कोई दो हानियां लिखें?

उत्तर—बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं से होने वाले दो हानियां—

1. बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं के बनने से बड़े—बड़े बांधों का निर्माण किया जाता है जिससे वहां की स्थायी निवासियों को वहां की आजिविका छोड़नी पड़ती है।
2. बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं से बांध के टुटने का खतरा बना रहता है।
3. बाढ़ के मैदान में जलाशय बनाने से वहां की वनस्पति नष्ट हो जाती है और उपजाऊ मिट्टी जलाशय में चली जाती है।
4. नदियों के प्राकृतिक बहाव में बाधा पड़ती है।
5. भूकंप आने का खतरा बना रहता है।

34. खनिज क्या है?

उत्तर—पृथ्वी की भू पर्पटी के अंदर पाई वाली वह महत्वपूर्ण तत्व जो हमारे लिए उपयोगी होता है उसे खनिज कहते हैं।

35. सांप्रदायिकता क्या है?

उत्तर—सांप्रदायिकता का अर्थ है किसी धर्म के मानने वाले लोग अपने धर्म को दूसरों के श्रेष्ठ समझने लगते हैं। वे धर्म के आधार पर समाज तथा देश को बांटने का प्रयास करते हैं।

36. नारीवादी आंदोलन से क्या समझते हैं?

उत्तर—महिलाओं की शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की मांग और उन्हें पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाने की मांग करने वाले आंदोलन का नारीवादी आंदोलन को नारीवादी आंदोलन कहते हैं। यह महिलाओं के उपर हर प्रकार के शोषण का विरोध करता है।

37. साक्षरता दर को परिभाषित करें।

उत्तर—साक्षरता का अर्थ होता है पढ़ने लिखते में सक्षम होता है।

किसी देश अथवा राज्य की साक्षरता दर वहां के पढ़े लिखे लोगों तथा कुल लोगों के अनुपात को दर्शाता है। यह प्रतिशत में होता है।

38. विश्व व्यापार संगठन के किन्हीं दो कार्यों को लिखें।

उत्तर—विश्व व्यापार संगठन के किन्हीं दो कार्यों निम्नलिखित हैं—

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना।
2. वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन एवं व्यापार का प्रसार करना।

10. हल्के उद्योग किसे कहा जाता है?

उतर—हल्के उद्योग से तात्पर्य है कि जिस उद्योग में लागत कम लगती है और श्रमिक भी अधिक संख्या में काम करते हैं तथा इन में उपयोग होने वाले कच्चा माल का उपयोग कम मात्रा में होता है। उदाहरण स्वरूप बिजली के पंखे, सिलाई की मशीन।

11. उद्योगों का क्या महत्व है?

उतर—उद्योगों का महत्व—

क. उद्योग किसी देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

ख. उद्योगों के द्वारा लोगों के दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं का निर्माण किया जाता है और उद्योग लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ग. उद्योगों के द्वारा निर्मित वस्तुएं देश विदेश में बेचकर विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है जिससे राष्ट्रीय धन में वृद्धि होती है।

10. भारत में कृषि आधारित उद्योग में भारतीय अर्थव्यवस्था का क्या महत्व है?

उतर—जो उद्योग कृषि पर आधारित होते हैं उनको कृषि आधारित उद्योग कहते हैं। इन कृषि को आधारित उद्योगों का भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना विशेष महत्व है जो निम्नलिखित है—

क. वे दैनिक जीवन में काम आने वाली अनेक वस्तुओं का निर्माण करते हैं और लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ख. कृषि प्रधान देश के लिए कृषि पर आधारित उद्योगों का अपना विशेष महत्व है कच्चा माल हमारे देश में है प्रयोग हो जाता

10. औपचारिक ऋण क्या है?

उतर—बैंकों और सहकारी समितियों से लिए गए ऋण औपचारिक ऋण कहलाते हैं।

11. उदारीकरण से आपका क्या तात्पर्य है?

उतर—सरकार द्वारा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।

12. निवेश किसे कहते हैं?

उतर—भूमि, भवन, मशीनें और अन्य उपकरणों आदि परिसंपत्तियों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।

15. संप्रदायवाद लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है, कैसे?

उतर—संप्रदायवाद के कारण विभिन्न धर्मों के लोग परंपरा एक दूसरे के धर्म के प्रति द्वेष का भाव रखने लगते हैं। जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा उत्पन्न हो जाता है। धार्मिक कट्टरता के परिणाम स्वरूप एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगों के साथ घृणा का भाव रखते हैं। यह स्थिति गृह युद्ध की स्थिति में तब्दील हो सकती है। अतः यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

2. अल्पसंख्यक किसे कहते हैं?

उत्तर—धर्म, भाषा के आधार पर किसी राज्य में रहने वाले लोगों का वह समूह जो बहुमत दंगे, क्षेत्रीय हिंसा एवं वंशानुगत शत्रुता भंग करता है, और देश में अशांति लाता है। जिससे राष्ट्रीय एकता को हानि पहुंचाती है।

4. धर्मनिरपेक्ष राज्य से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—वह राज्य जिसमें सभी धर्मों को समान महत्व दिया जाता है। राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को कोई भी धर्म को मानने की स्वतंत्रता होती है। उसे धर्मनिरपेक्ष राज्य कहते हैं।

1. विकास से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—विकास एक निरंतर चलने वाली गतिशील प्रक्रिया है, जो जीवन के हर उच्च स्तर स्थिति को प्राप्त करने का लक्ष्य रखते हैं। विकास प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग अलग हो सकती है। किसी के लिए लाभदायक हो सकती है तो किसी के लिए विनाशकारी भी हो सकती है।

2. प्रति व्यक्ति आय या औसत आय क्या होती है?

उत्तर—जब कुल राष्ट्रीय आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर जो राशि प्राप्त होती है उसे प्रति व्यक्ति आय कहते हैं।

3. साक्षरता दर से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात को साक्षरता दर कहते हैं। निवल उपस्थिति अनुपात 6 से 10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुछ बच्चों का उसे आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत उपस्थिति अनुपात कहलाता है।

4. पंजाब से अधिक केरल को क्यों अधिक विकसित मानते हैं?

उत्तर—पंजाब से अधिक केरल को विकसित इसलिए माना जाता है क्योंकि केरल में साक्षरता दर और हाजिरी अनुपात अधिक है। इसके अतिरिक्त केरल में प्रति हजार के पीछे शिशु मृत्यु दर भी कम है।

5. सार्वजनिक सुविधाएं क्या हैं?

उत्तर—सार्वजनिक सुविधाएं बड़े पैमाने पर समुदाय के लिए आवश्यक सुविधाएं हैं और सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं।

6. उपभोग से क्या समझते हैं?

उत्तर—उपभोग आय का वह भाग होता है जो विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खर्च किया जाता है।

10. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर—धारणीयता का विषय विकास के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण परस्पर निर्भर है। पर्यावरण की उपेक्षा कर आर्थिक विकास भावी पीढ़ी के लिए धारणीय नहीं हो सकता।

39. जालियांवाला बाग हत्याकांड पर संक्षिप्त नोट लिखे।

उत्तर—जालियांवाला बाग हत्याकांड भारतीय इतिहास में एक कलंकित घटना है। अमृतसर के जालियांवाला बाग में जब एक भीड़ शांतिपूर्ण तरीके से वैशाखी का त्योहार मनाने के लिए जुड़ी हुई थी तो ब्रिटिश सरकार के एक अधिकारी जनरल डायर ने गोली चलवा दी। जिसमें अनेक निर्दोष और निहत्थे लोग मारे गए थे।

40. ब्रेटेन वुड्स समझौते का क्या अर्थ है?

उत्तर—द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व के औद्योगिक राष्ट्र के सामने विश्व अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने की एक चुनौती थी। इस चुनौती के लिए जुलाई 1944 में अमेरिका के न्यूयार्क के ब्रेटेन वुड्स में एक सम्मेलन का आयोजित किया गया। सदस्य देशों के विदेशी व्यापार में लाभ और घाटे से निपटने के लिए ब्रेटेन वुड्स सम्मेलन में ही अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना की गई। इसी समझौते को ब्रेटेन वुड्स समझौते कहा जाता है।

42. कृषि आधारित उद्योग और खनिज आधारित उद्योग में क्या अंतर है, उदाहरण सहित लिखे।

उत्तर—कृषि आधारित उद्योग—

1. कृषि आधारित उद्योग वे हैं जो कच्चे माल के रूप में वनस्पति और जंतु आधारित उत्पादों का प्रयोग करते हैं।
2. उदाहरण के लिए—खाद्य संसाधन, सूती वस्त्र आदि।

खनिज आधारित उद्योग—

1. खनिज आधारित उद्योग वे हैं जो खनिज अयस्कों का प्रयोग कच्चे माल के रूप में करते हैं।
2. उदाहरण के लिए—भवन निर्माण सामग्री, रेल के डिब्बे, भारी मशीनें बनाने में आदि।

43. लोकतांत्रिक व्यवस्था के किन्हीं दो चुनौतियों की चर्चा करें?

उत्तर—भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के किन्हीं दो चुनौतियों की चर्चा निम्नलिखित है।

1. गरीबी—बढ़ती गरीबी की समस्या, लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौती है। आर्थिक विकास के लिए यह जरुरी है कि देश की जनता के बीच अमीरी गरीबी के बीच कम से कम हो।
2. सांप्रदायिकता—सांप्रदायिकता एक ऐसी बाधा है कि जिसके अनुसार समाज के कुछ लोग केवल अपने ही धर्म को श्रेष्ठ समझते हैं जिससे बहुत से लोग धार्मिक आधार पर आपस में बंट जाते हैं।

44. बहुदलीय व्यवस्था पर संक्षेप में लिखे।

उत्तर—एक प्रकार की ऐसी राजनीतिक व्यवस्था जिसमें किसी भी देश में तीन या तीन से अधिक दल मौजूद होते हैं। बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं। जैसे—भारत, श्रीलंका इत्यादि।

45. ऋण की किन्हीं तीन शर्तों का उल्लेख करे।

उत्तर—ऋण के लिए निम्नलिखित शर्त होता है—

1. ऋण लेने वाले व्यक्ति को अपनी आय का प्रमाण पत्र बैंक को देना पड़ता है।
2. सिक्योविटी के रूप में बैंक में कुछ जमा करना पड़ता है।
3. ऋण लेने के लिए बैंक में कुछ जमा करना पड़ता है।

46. उपभोक्ता संरक्षण परिषद् उपभोक्ताओं को किस प्रकार मदद करता है, किन्हीं तीन तरीकों का उल्लेख करे।

उत्तर—उपभोक्ता संरक्षण परिषद् मुख्य उद्देश्य अपभोक्ता के उन अधिकारों की रक्षा करना है जो जनता और उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक है। जैसे—

1. अनुचित व्यापार तथा झूठे और भ्रमक विज्ञापनों पर रोकथाम।
2. सेवा की गुणवत्ता या मात्रा के बारे में गलत जानकारी देने पर रोक लगाना।
3. मिलावटी वस्तुओं पर रोक लगाना।
4. कम माप तौल पर रोक लगाना।

7. समवर्ती सूची क्या है?

उत्तर—विषयों की ऐसी सूची जिस पर कानून बनाने का अधिकार राज्य तथा केंद्र सरकार दोनों को प्राप्त होता है, परंतु दोनों सरकारों में टकराव होने की स्थिति में केंद्र सरकार

1. बांध से क्या समझते हैं?

उत्तर—बहते जल को रोकने, दिशा देने या बहाव कम करने के लिए खड़ी की गई बाधा है जो आमतौर पर जलाशय, झील अथवा जल भरण बनाती है।

2. खनिज क्या है? इसका आर्थिक महत्व क्या है?

उत्तर—खनिज प्राकृतिक रासायनिक यौगिक है। इनमें संगठन और संरचना स्वरूप में समानता पाई जाती है। यह शैलों और अयस्कों के अवयव है। इनकी उत्पत्ति भूगर्भ में हो रही है विभिन्न भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के द्वारा हुई है।

5. संघवाद क्या है?

उत्तर—संघवाद एक संस्थागत प्रणाली है जिसमें दो स्तर की राजनीतिक व्यवस्था को सम्मिलित किया जाता है। इसमें एक केंद्रीय स्तर की सरकार और दूसरी एक राज्य या प्रांतीय स्तर की सरकार होती है। जो मिलकर कार्य करते हैं।

6. गठबंधन सरकार किसे कहते हैं?

उत्तर—एक से अधिक राजनीतिक पार्टियों द्वारा मिलकर बनाई गई सरकार को गठबंधन सरकार कहते हैं।

1. यूरोप में राष्ट्रवाद को फैलाने में नेपोलियन बोनापार्ट किस तरह सहायक हुआ?

उत्तर—यूरोप में राष्ट्रीयता की भावना के विकास में फ्रांस की राज्यक्रांति के पश्चात नेपोलियन के आक्रमणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। फ्रांसीसी क्रांति ने राजनीति को अभिजात्य वर्ग या परिवेश से बाहर कर उसे अखबारों सङ्कों और सर्वसाधारण की वस्तु बना दिया। यूरोप के कई राज्यों में नेपोलियन के अभियानों द्वारा नवयुग का संदेश पहुंचा नेपोलियन ने जर्मनी और इटली के राज्यों को भौगोलिक नाम की परिधि से बाहर कर उसे राजनीति और वास्तविक रूप रेखा प्रदान की। जिससे इटली और जर्मनी के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ दूसरी तरफ नेपोलियन की सुधारवादी नीतियों के कारण फ्रांसीसी प्रभुता और आधिपत्य के विरुद्ध यूरोप में देशभक्ति की भावना प्रबल हुई।

2. इटली एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर—इटली एकीकरण में विक्टर एमैनुअल द्वितीय वित मंत्री प्रमुख कावूर और गैरीबाल्डी की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण थी क्योंकि इन्हीं के प्रयासों से इटली का एकीकरण संभव हो पाया।

इटली एकीकरण की प्रक्रिया—

क. इटली अनेक वंशानुगत राज्य तथा बहुराष्ट्रीय हैब्सबर्ग साम्राज्य में बिखरा हुआ था। 19वीं सदी के मध्य इटली 7 राज्यों में बंटा हुआ था।

ख. युद्ध के जरिए इतालवी राज्यों को जोड़ने की जिम्मेदारी सार्डिनिया पीडमॉण्ट के शासक विक्टर इमैनुएल द्वितीय को सौंप दी गई।

ग. शासक विक्टर एमैनुएल द्वितीय ने यह जिम्मेदारी सार्डिनिया पीडमॉण्ट के प्रमुख मंत्री कावूर को दे दी। मंत्री प्रमुख कावूर ने इटली के प्रदेशों को एकीकृत करने आंदोलन का नेतृत्व किया।

घ. कावूर ने फ्रांस से सार्डिनिया पीडमॉण्ट की एक चतुर कूटनीति संधि की और फ्रांस की मदद से 1859 में ऑस्ट्रेलिया को हरा पाने में कामयाब हुआ।

7. जर्मनी एकीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर—क. राष्ट्रवादी भावनाएं मध्यवर्गीय जर्मन लोगों में काफी व्याप्त थीं और उन्होंने 1848 में जर्मन महासंघ के विभिन्न इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र—राज्य बनाने का प्रयास किया था।

ख. लेकिन राष्ट्र निर्माण की यह उदारवादी पहल को राजशाही और फौज की ताकत ने मिलकर दबा दी। उनका प्रशा के बड़े भू—स्वामियों ने भी समर्थन किया।

ग. तत्पश्चात् प्रशा के राष्ट्रीय एकीकरण के लिए प्रशा के प्रमुख मंत्री बिस्मार्क ने आंदोलन का नेतृत्व किया।

घ. आठों वाँच बिस्मार्क ने इस आंदोलन में प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद ली।

14. 19वीं सदी में भारत में सुधारकों पर मुद्रण संस्कृति के प्रसार का क्या असर हुआ?

उत्तर—क. समाज सुधारकों ने सामाजिक और धार्मिक कुरीतियों को मुद्रण के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया।

ख. सुधारकों ने पत्र-पत्रिकाओं के द्वारा सती प्रथा, विधवा विवाह, बाल विवाह, मूर्ति पूजा और जाति प्रथा को समाप्त करने हेतु लेख लिखे।

ग. सुधारक ज्योतिबा फूले ने गलामगिरी में जाति प्रथा के अत्याचारों के बारे में लिखे।

घ. भीमराव अंबेडकर, ई वी रामास्वामी ने जाति प्रथा पर जोरदार ढंग से लिखा। जिसे पूरा भारत में पढ़ा गया।

ड. महिलाओं की शिक्षा, विधवा विवाह और राष्ट्रीय मुददों पर लेख लिखकर सुधारकों ने लोगों में जनचेतना को जगाया।

12. कुछ इतिहासकार ऐसा क्यों मानते हैं कि मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार की?

उत्तर—कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए जमीन तैयार की क्योंकि—

क. छपाई के ज्ञानोदय से वाल्टेर और रुसों जैसे चिंतकों के विचारों का प्रसार हुआ। रुसों को फ्रांसीसी क्रांति का अग्रदूत माना जाता है।

ख. उन्होंने परंपरा, अंधविश्वास और निरंकुशवाद की आलोचना की। उन्होंने तार्किकता का प्रचार प्रसार किया। इसने लोगों को राजशाही के विद्रोह हेतु प्रेरित किया।

ग. मुद्रण ने ही सारे पुराने मूल्यों संस्थाओं और कायदे कानूनों पर आम जनता के बीच तथा धार्मिक और राजनीतिक मुददों पर विचार विमर्श का मार्ग प्रशस्त किया।

घ. कार्टून और व्यंग्य चित्र में यह भाव उभरता था कि जनाता तो मुश्किल में फंसी है जबकि राजशाही भोग विलास में डूबी हुई है। इसने क्रांति की ज्वाला भी भड़काई।

15. ईस्ट इंडिया ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी कपड़े की नियमित आपर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या किया?

उत्तर—कंपनी को माल बेचने के बाले बुनकरों को अन्य खरीदारों के साथ कारोबार करने पर पाबंदी लगा दी गई। इसके लिए उन्हें पेशागी रकम दी जाती थी। एक बार काम का ऑर्डर मिलने पर बुनकरों को कच्चा माल खरीदने के लिए दे दिया जाता था। जो कर्ज लेते उसमें वे किसी भी व्यापारी को नहीं बेच सकते थे। जैसे—जैसे कर्ज मिलते गए और महीन कपड़े की माँग बढ़ने लगी, ज्यादा कमाई की आस से बुनकरों पेशागी स्वीकार करने लगे। बहुत सारे बुनकरों के पास जमीन के छोटे—छोटे पट्टे थे जिनपर वे खेती करते थे और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर लेते थे। अब वे इस जमीन को भाड़े पर देकर पूरा समय बुनकरी में लगाने लगे। अब पूरा परिवार यही काम करने लगा। बच्चे व औरते सभी कुछ न कुछ काम करते थे।

9.उन्नीसवीं सदी के यूरोप में कुछ उद्योगपति मशीनों की बजाय हाथ से काम करनेवाले श्रमिकों को प्राथमिकता देते थे,क्यों?

उत्तरः— 19वीं सदी के यूरोप में कुछ उद्योगपति मशीन की बजाए हाथ से काम करने वाले श्रमिकों को प्राथमिकता देते थे। इनके पीछे अनेक कारण उपस्थित किए जाते थे—(क) विकटोरिया कालिन ब्रिटेन में मानव श्रम की कोई कमी नहीं थी इसलिए कुछ उद्योगपति मशीनों की बजाय हाथ से काम करने वाले श्रमिकों को प्राथमिकता देते थे।(ख) बहुत से ऐसे उद्योगपति बड़ी मशीन पर भारी खर्चा करने से हिचकिचाते थे।(ग) यदि थोड़ी मात्रा में चीजें तैयार करनी होती थी तो भी मशीनों की बजाय मजदूरों से काम करवाना बेहतर समझा जाता था।(ड.) कुछ वस्तुओं में वे लोग खास डिजाइन मांगते थे जिन्हें मशीनों पर बनाना बहुत महंगा और कठिन होता था।

2.पहले विश्व युद्ध के समय भारत का औद्योगिक उत्पादन क्यों बढ़ा?

उत्तर—पहले विश्व युद्ध के समय भारत के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई जिसके कई कारण थे—

क.प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन ऐसे उलझ गया कि उसका ध्यान अपने बचाव में लग गया।अब भारत में अपने माल को निर्यात ना कर सका जिसके कारण भारत के उद्योगों को पनपने का सुअवसर प्राप्त हो गया।

ख.इंग्लैंड के सब कारखाने निर्यात की विभिन्न चीजें बनाने की बजाय सैनिक सामग्री बनाने में लग गए,इसलिए भारतीय उद्योगों को रातो—रात एक विशाल देसी बाजार मिल गया।

ग.पुरानी कारखानों के साथ—साथ बहुत सारे नए कारखाने खुल गए।जिससे उद्योगपतियों को ही नहीं वरन् मजदूरों और कारीगरों की भी चांदी हो गई

घ.प्रथम विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सरकार को फंसा देखकर भारतीय नेताओं ने स्वदेशी पर अधिक बल देना शुरू कर दिया।

ड.एक विशाल देसी बाजार मिलने के अतिरिक्त भारतीय उद्योगों को जब सरकार द्वारा भी अनेक चीजें जैसे—फौज के लिए वर्दियां,बूट आदि बनाने,टेंट बनाने घोड़ों के लिए अनेक प्रकार का सामान बनाने आदि के आर्डर मिल जाए तो उन में नई जान आ गई जैसे—युद्ध आगे बढ़ता गया,भारतीय उद्योग भी प्रगति करते गए।

3. मशीनी युग से पहले भारत का व्यापार कैसा था?

उत्तर—मशीनी युग से पहले भारतीय उद्योग काफी फल—फूल रहे थे—

क. अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में भारत के रेशमी और सूती उत्पादों का दबदबा था

ख. उच्च किस्म का कपड़ा भारत से आर्मी नियन और फारसी सौदागर पंजाब से अफगानिस्तान, पूर्वी भारत और मध्य एशिया लेकर जाते थे।

ग. विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यापारी तथा बैंकर इस व्यापार नेटवर्क में शामिल थे।

घ. सूरत, हुगली और मछलीपट्टनम प्रमुख बंदरगाह होते थे।

ड. दो प्रकार के व्यापारी इस उद्योग में लगे थे। एक आपूर्ति सौदागर तथा दूसरा निर्यात सौदागर।

च. बंदरगाहों पर बड़े जहाज मालिक तथा निर्यात व्यापारी दलाल के साथ कीमत पर मोलभाव करते थे और आपूर्ति सौदागर से माल खरीद लेते थे।

4. भारत में कारखानों के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखे।

उत्तर—भारत में सबसे पहले कपास और पटसन के कारखानों की स्थापना हुई पहली कपड़ा मिल 1854 में बंबई में स्थापित हुई। 1864 में इनकी संख्या 4 हो गई। कपड़ा मिल के बाद 1855 में बंगाल में पटसन मिल स्थापित हुई।

1862 में बंगाल में ही एक और पटसन मिल स्थापित की गई। उत्तरी भारत में 1860 के दशक में कानपुर में एलिगन मिल प्रारंभ हुई और 1 वर्ष बाद अहमदाबाद में प्रथम कपड़ा मिल लगाई गई। 1874 तक मद्रास की पहली कताई तथा बुनाई मिल ने उत्पादन शुरू कर दिया।

5. ब्रिटेन की महिला कामगारों ने स्पिनिंग जेनी मशीनों पर हमले किए, व्याख्या करे।

उत्तर—1764 में जेम्स हरग्रीब्ज ने स्पिनिंग जेनी नामक मशीन का आविष्कार किया। इस मशीन ने कताई की प्रक्रिया तेज कर दी। स्पिनिंग जेनी मशीन के आ जाने से मजदूरों की मांग घट गई। एक ही पहिया घुमाने वाला एक मजदूर बहुत सारी तकलियों को घुमा देता था और एक साथ कई धागे बनने लगते थे, जब इन मशीनों का प्रयोग शुरू हुआ तो हाथ से उन कातने वाली औरतें इस तरह की मशीनों पर हमला करने लगी, क्योंकि इस मशीन की वजह से उनका काम छिन गया था। इस मशीन की वजह से शारीरिक श्रम की मांग घटने के कारण बहुत सी महिलाएं बेरोजगार हो गई थीं। उनके सामने रोजी—रोटी की समस्या आ खड़ी हुई थी, इसलिए उन्होंने स्पिनिंग जेनी के प्रयोग का विरोध किया।

6. मारीआन और जर्मनिया कौन थे? जिस तरह उन्हें चित्रित किया गया उसका क्या महत्व था?

उत्तर—फ्रांसीसी में उसे क्रांति कलाकारों ने स्वतंत्रता न्याय और गणतंत्र जैसे विचारों को व्यक्त करने के लिए नारी रूप को प्रयोग किया। फ्रांस में उसे लोकप्रिय ईसाई नाम मारीआन दिया गया जिसे स्वतंत्रता और गणतंत्र के प्रतीक लाल टोपी, तिरंगा और कलगी के साथ दर्शाया गया और उसकी प्रतिमाएं सार्वजनिक चौकों पर लगाई गई, मारीआन की छवि को सिक्के और डाक टिकटों पर अंकित की गई ताकि लोगों को एकता के राष्ट्रीय प्रतीक की याद आती रहे। इसी तरह जर्मनिया जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गई जर्मनिया बलूत वृक्ष के पतों का मुकुट पहनती है, क्योंकि जर्मन बलूत वीरता का प्रतीक है।

8. भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम में मिलती-जुलती एक विशेषता और उससे अलग एक विशेषता बताएं?

उत्तर—भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता—भारत के संविधान में मौलिक रूप से दो स्तरीय शासन व्यवस्था का प्रावधान किया है, संघ सरकार और राज्य सरकार। पूरे देश की शासन व्यवस्था का संचालन केंद्र सरकार का प्रावधान किया गया है। शक्तियों का बंटवारा भी केंद्र और राज्यों के बीच संविधान में विषयों की तीन सूचियों के अंतर्गत कर दिया गया है। बेल्जियम में केंद्र और राज्य स्तरों की सरकारें हैं और दोनों सरकारें अपने—अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं। भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से अलग एक विशेषता—भारत और बेल्जियम दोनों देशों में तीसरे स्तरों की सरकार नहीं है जो अलग—अलग जातियों, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और भाषाई हितों की रक्षा करती है।

8. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरण की सूची बनाएं जो अपने आसपास देखे हों?

उत्तर—कूड़े—करकट और अवांछित गंदगी से जल, वायु और भूमि का दूषित होना पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है। पर्यावरण में गिरावट के बहुत से उदाहरण हैं जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं—

क. जल प्रदूषण—नदियों, झीलों और समुद्रों में बहाए गए कूड़े—कचरे औद्योगिक अपशिष्ट जल को प्रदूषित करते हैं। इससे जल में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से जलीय जीव मर जाते हैं। जहाजों से रिसनेवाले तेल से समुद्री जीवों को हानि होती है।

ख. वायु प्रदूषण—कारखानों के धुएं तथा मोटर वाहनों के धुएं वायु को प्रदूषित करते हैं। इससे मानव स्वास्थ्य और वन्य जीवन दोनों को ही हानि होती है। ग. भूमि प्रदूषण—भूमि पर कारखानों के द्वारा घरों या अन्य स्रोतों द्वारा कचरा आदि फेंकने से पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कृषि क्षेत्रों में अधिक उर्वरकों का प्रयोग करने से भूमि की उपजाऊ शक्ति खत्म होती है।

3.उर्जा के गैरपंरपरागत स्रोत का वर्णन करे।

उत्तर—उर्जा के गैर पंरपरागत स्रोत—

क.वायु उर्जा—वायु उर्जा का प्रयोग पानी बाहर निकालने, खेतों में सिंचाई करने और बिजली पैदा करने के लिए किया जाता है। ऐसा अनुमान है कि वायु से कोई 20000 मेगा वाट बिजली पैदा कर सकता है। इस समय वायु से प्राप्त कोई 900 मेगावाट बिजली शक्ति ग्रीड में जोड़ी जा सकती है। वायु उर्जा का उपयोग गुजरात, तमिलनाडु, उड़ीसा और महाराष्ट्र में किया जाता है।

ख.ज्वारीय उर्जा—ज्वारीय उर्जा का विकास करने के लिए कच्छ और कैम्बे की खाड़िया अधिक उपयुक्त है।

ग.बायोगैस—बायोगैस या प्राकृतिक व्यर्थ की सामग्री के विभिन्न साधनों जैसे बंजर भूमि से आधे प्राप्त लकड़ी, नगरों के कूड़े—करकट, पशुओं के गोबर, मनुष्य के मल—मूत्र, गन्ने की खोई आदि से भी बिजली पैदा की जाती है खेती के कूड़े—करकट जैसे—धान के छिलके और गन्ने की खोई से भी बिजली पैदा की जा सकती है।

4.सता की साझेदारी है और इसके क्या—क्या लाभ है?

उत्तर—सता की साझेदारी एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें समाज के प्रत्येक समूह और समुदाय की भागीदारी है जिसमें समाज के प्रत्येक समूह की भागीदारी होती है। आज इस साझेदारी में समाज के किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता है।

सता की साझेदारी के लाभ—

1. सता की साझेदारी लोकतंत्र का मूल मंत्र है जिसके बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है।

2. लोगों की शासन की प्रक्रिया में सहभागिता से देश मजबूत होता है।

3. सता की साझेदारी में भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। सभी लोगों के हितों को ध्यान में रखा जाता है, और उनकी भावनाओं का आदर किया जाता है। जिससे लोगों के बीच संघर्ष कम हो जाता है और जिस देश में टकराव की भावना नहीं रहती वह देश प्रगति की ओर आगे बढ़ता है।

4. समाज में शांति बनी रहती है क्योंकि समाज के विभिन्न समूह के बीच टकराव नहीं होता है जिसे राष्ट्रीय एकता की भावना का मार्ग प्रशस्त होता है।

11.गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला क्यों किया?

उत्तर—असहयोग आंदोलन अपने पूरे जोरों पर चल रहा था। जब महात्मा गांधी ने 1922 ई० को उसे वापस ले लिया। इस आंदोलन के वापस लिए जाने के निम्नांकित कारण थे—

क.महात्मा गांधी अहिंसक ढंग से आंदोलन चलाना चाहते थे लेकिन आशा के विपरीत यह आंदोलन हिंसक होता जा रहा था और सत्याग्रहियों को वापस प्रशिक्षण की आवश्यकता थी इसलिए महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेना ही उचित समझा।

ख.1922 में गोरखपुर में स्थित चौरी-चौरा में बाजार में गुजर रहे एक शांतिपूर्ण जुलूस पुलिस के साथ हिंसक टकराव में बदल गया, इस हिंसात्मक घटना के बारे में सुनते ही महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन का आहवान किया।

ग.वे सोचने लगे कि यदि लोग हिंसक हो जाएंगे तो अंग्रेजी सरकार भी उत्तेजित हो उठेगी और आंतक का राज्य स्थापित हो जाएगा और अनेक निर्दोष लोग मारे जाएंगे। महात्मा गांधी जालियांवाला बाग जैसे हत्याकांड की पुनरावृति नहीं करना चाहते थे।

49.राजनीतिक दलों के सुधार के उपायों की चर्चा करे।

उत्तर—भारत में राजनीतिक दलों के सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए—

1. चुनाव आयोग वे एक आदेश के जरिए सभी दलों के लिए संगठित चुनाव कराना और आयकर का रिटर्न भरना आवश्यक कर दिया है।
2. विधायकों और सांसदों को दलबदल करने से रोकने के लिए संविधान में संसोधन किया गया।
3. उच्चतम न्यायलय ने पैसे और अपराधियों का प्रभाव कम करने के लिए एक आदेश जारी किया गया।
4. चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी संपत्ति के ब्यौरे का शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया गया।

47.मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में क्या मदद की?

उत्तर—मुद्रण संस्कृति ने भारत के विकास में निम्नलिखित प्रकार से मदद की।

1. पत्र—पत्रिकाओं में अंग्रेजी शासन की आलोचना की गयी। इससे आम जनता को औपनिवेशिक शासन की बुराईयों एवं शोषण का पता चला।
2. कहानियों, कविताओं आदि के द्वारा भारतीय जनता में राष्ट्रवाद की भावना को जागृत करने का प्रयास किया गया।
3. राष्ट्रवादी अखबारों ने क्रांतिकारी विचारों को जनता के बीच फैलाया।
4. कार्टून के प्रकाशन के माध्यम से अंग्रेजी शासन एवं संस्कृति के विकृत रूपों को जनता के सामने लाने का प्रयास किया गया।

14. पूना पैकट पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें?

उत्तर—डॉ० अंबेडकर ने 1930 में दमित वर्ग एसोसिएन की स्थापना की। उनका मानना था कि दलित वर्ग की समस्याओं का समाधान तथा उनकी सामाजिक अपंगता का निवारण केवल राजनीतिक सशक्तिकरण के द्वारा ही किया जा सकता है, अतः उन्होंने दलितों के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्र का जोर शोर से समर्थन किया।

ख. इस विषय पर गांधीजी से उनका गंभीर विवाद हुआ। इसी बीच सरकार ने अंबेडकर की बात मान ली। इसके विरोध में गांधीजी ने पुणे की यार्वदा जेल में ही आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया।

ग. अन्य राष्ट्रवादी नेताओं की मध्यस्ता से गांधीजी और अंबेडकर के बीच सिंतबर 1952 में एक समझौता हुआ, जिसे पूना पैकट के नाम से जाना जाता है।

घ. इस समझौते के अनुसार दलित वर्ग को प्रांतीय एवं केंद्रीय विद्यार्थी परिषदों में आरक्षित सीटें मिल गईं, परंतु निर्वाचन सामान्य प्रणाली के आधार पर किया जाएगा। दलितों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता देने के लिए भी पूना पैकट में शर्त रखी गई।

जोर-शोर से चल रहा था किंतु 1922 के आते-आते आंदोलन धीमा पड़ने लगा। असहयोग आंदोलन की असफलता के कई कारण थे—क. योग्य नेतृत्व का अभाव—आंदोलन की शुरुआत गांधी जी ने की तथा शीघ्र ही यह आंदोलन देश के कोने-कोने में फैल गया। लोगों ने अति उत्साह से इस आंदोलन में भाग लिया। लेकिन देश के अन्य भागों में योग्य नेतृत्व के अभाव में आंदोलन को सही दिशा नहीं मिल पाई।

51. भारत में पाई जाने वाली मृदा का वर्गीकरण करे और उनका वर्णन करे।

उत्तर—भारत में निम्नलिखित प्रकार की मिट्टी पाई जाती है।

1. जलोढ़ मृदा—नदियों द्वारा बहा कर लाई जाने वाली मिट्टी को जलोढ़ मृदा कहते हैं। यह दो प्रकार की होती है।

क. बांगर—पुरानी मृदा को बांगर कहते हैं।

ख. खादर—नयी मृदा को खादर कहते हैं।

2. काली मृदा—काली मिट्टी को रेगर मिट्टी भी कहा जाता है। यह कपास की खेती के लिए उचित होता है। यह मुख्यतः महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में पाई जाती है। काली मिट्टी महीन कर्णों से बनी होती है। इसमें नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है।

3. लाल और पीली मृदा—लाल और पीली मृदाएं ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य गंगा मैदान के दक्षिणी छोर पर और पश्चिमी घाट में पहाड़ी पद पर पाई जाती है। लाल मृदा लाल रंग से पहचानी जाती है। आमतौर पर यह कृषि के लिए आदर्श है और उपजाऊ है। आयरन ऑक्साइड युक्त चट्टानों अपक्षयित होकर लाल मिट्टी में बदल जाती है। पीला रंग जल योजन के कारण होता है।

4. लेटेराइट मृदा—लेटेराइट लैटिन शब्द लेटर से लिया गया है, जिसका अर्थ ईट है। लेटेराइट मिट्टी उच्च तापमान और भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में विकसित होती है।

5. सता की साझेदारी के विभिन्न रूपों का वर्णन करें।

उत्तर—सता की साझेदारी के विभिन्न रूप निम्नलिखित हैं—

- a. सता का क्षेत्रिज वितरण—इसके अंतर्गत विधायिका कार्यपालिका तथा न्यायपालिका आते हैं।
 2. विधायिका—जो कानून बनाती है, उसे विधायिका कहते हैं।
 3. कार्यपालिका—जो कानून को लागू करती है या कानून का पालन करती है उसे कार्यपालिका कहते हैं।
 4. न्यायपालिका—जो कानून का पालन नहीं करता उसे सजा देना न्यायपालिका का कार्य होता है। अर्थात् न्यायपालिका न्याय दिलाने का काम करती है।
- b. सता का उर्ध्वाधर वितरण—इसके अंतर्गत केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय सरकार आते हैं।
1. केंद्र सरकार—केंद्र सरकार पूरे देश पर शासन करती है। इसका अधिकार क्षेत्र पूरा देश होता है।
 2. राज्य सरकार—राज्य सरकार अपने—अपने राज्यों पर शासन करती है।
 3. स्थानीय सरकार—स्थानीय सरकार अपने स्थानीय क्षेत्रों पर शासन करती है।
- c. दबाव समूह तथा राजनीतिक दल—
1. दबाव समूह—दबाव समूह एक ऐसा समूह होता है जिसका उद्देश्य सरकार पर दबाव डालकर अपनी मांगे पूरी करवाना होता है।
 2. सार्वजनिक समूह—लोगों का ऐसा समूह जिसका उद्देश्य चुनाव लड़ना तथा सता प्राप्त करना होता है।

50. सार्वजनिक क्षेत्र किसी राज्य के आर्थिक विकास में कैसे योगदान देते हैं?

उत्तर—किसी राज्य का आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्र की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिनमें से निम्नलिखित हैं—

1. शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश से लोगों का जीवन स्तर में बहुत अधिक सुधार हुआ है।
2. रेलवे में सार्वजनिक क्षेत्र के आ जाने से अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।
3. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों से लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिला है जिससे उनके जीवन के गुणतावा में सुधार हुआ है।
4. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों लोगों को पीने योग्य पानी, गरीबों के लिए घर, बच्चों के लिए भोजन भी उपलब्ध करवाती है।
5. सार्वजनिक क्षेत्र कई संस्थाएं चलाती हैं जिसमें लोगों को कई प्रकार से शिक्षित किया गया है।

सितंबर 1920 के कोलकाता अधिवेशन में महात्मा गांधी सहित दूसरे अन्य नेताओं ने यह बात मान ली कि खिलाफत आंदोलन के जनसमर्थन अथवा स्वराज के लिए एक असहयोग आंदोलन शुरू किया जाना चाहिए।

16. लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार क्यों जरुरी है?

उत्तर—शिक्षा से लोगों के भीतर नई चेतना पैदा होती है। लोग अपने कर्तव्य के प्रति जागरुक होते हैं। लोगों में यह जागरुकता सभी क्षेत्रों में दिखलाई पड़ती है, जैसे राजनीतिक क्षेत्र में। शिक्षित व्यक्ति अपने लिए योग्य प्रतिनीधि का चुनाव कर सकते हैं और शासन की प्रक्रिया में अपनी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। शिक्षित व्यक्ति सत्ता पर आते हैं तो वे देश का संचालन सही तरीके से कर सकते हैं। लोगों के लिए सही निर्णय एवं कानूनों का निर्माण कर सकते हैं। देश को विकास के कगार पर आगे बढ़ा सकते हैं। इसलिए लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार बहुत जरुरी है।

15. अहसयोग आंदोलन असफल क्यों हुआ?

उत्तर—महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन पूरे जोर—शोर से चल रहा था किंतु 1922 के आते—आते आंदोलन धीमा पड़ने लगा। असहयोग आंदोलन की असफलता के कई कारण थे—

क. योग्य नेतृत्व का अभाव—आंदोलन की शुरुआत गांधी जी ने की तथा शीघ्र ही यह आंदोलन देश के कोने—कोने में फैल गया। लोगों ने अति उत्साह से इस आंदोलन में भाग लिया। लेकिन देश के अन्य भागों में योग्य नेतृत्व के अभाव में आंदोलन को सही दिशा नहीं मिल पाई।

ख. आर्थिक कारण—विदेशी कपड़ों का बहिष्कार बड़े पैमाने पर किया गया तथा लोगों को खादी का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया, लेकिन खादी का कपड़ा मिलों में भारी पैमाने पर बनने वाले कपड़ों के अपेक्षा काफी मंहगा था गरीब इसे खरीद नहीं सकते थे। अतः जल्दी ही बहिष्कार की उमंग फीकी पड़ गई।

ग. वैकल्पिक व्यवस्था का अभाव—ब्रिटिश संस्थानों के बहिष्कार से नई समस्याएं पैदा हुई। स्कूलों, कालेजों, अदालतों का बहिष्कार तो कर दिया गया लेकिन वैकल्पिक भारतीय संस्थानों की स्थापना नहीं हुई। इसके परिणाम स्वरूप शिक्षक और विद्यार्थी पुनः स्कूलों में लौटने लगे तथा वकील दुबारा अदालतों में दिखाई देने लगे।

घ. हिंसा का मार्ग अपनाना—यद्यपि आंदोलन का प्रारंभ शांतिपूर्ण प्रदर्शनों तथा विदेशों वस्तुओं के बहिष्कार से हुआ लेकिन शीघ्र ही आंदोलन ने हिंसा का मार्ग पकड़ लिया। हिंसा की चरम परिणीति चौरी—चौरा कांड के रूप में हुई, जब उग्र आंदोलनकारियों ने एक थाने में आग लगाकर 22 सिपाहियों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को वापस ले

1.महामंदी के कारण भारत के कृषिगत पदार्थों के आयात—निर्यात में अत्यधिक कमी आ गई जो 1928 से 1934 के बीच घटकर लगभग आधे रह गए।

2.जब अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आई तो भारत में भी वस्तुओं के दामों में काफी कमी आ गई इस दौरान भारत में गेंहू की कीमत में 50%तक की कमी हो गई।

3.इस महामंदी का बंगाल के पटसन पैदा करने वाले लोगों पर विशेष रूप से विनाशकारी प्रभाव पड़ा पटसन के मूल्यों में कोई 60%की गिरावट आ गई।जिससे बंगाल के पटसन उत्पादक बर्बाद हो गए और वे कर्ज में बोझ तले दब गए।

4.छोटे-छोटे किसान भी इस बर्बादी से ना बच सके उनकी आर्थिक दशा खराब होती जा रही थी दूसरी तरफ सरकार द्वारा लगान में किसी प्रकार की छूट नहीं दी जा रही थी।

3.हमें खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर—खनिजों को एक बार उपयोग करने के उपरांत उसे दोबारा नहीं पाया जा सकता।खनिजों का दुरुपयोग किया गया तो आने वाली पीढ़ीयों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए खनिजों का संरक्षण आवश्यक है।

क.खनिजों का उपयोग सुनियोजित ढंग से करना चाहिए।

ख.खनिजों को बचाने के लिए उनके स्थान पर अन्य वस्तुओं के उपयोग के बारे में सोचना चाहिए।

ग.जहां जैसे संभव हो धातुओं के चक्रीय उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए जैसे लोहे को गला कर लोहा बनाना सोने को गला कर सोना बनाना।

7.पंरपरागत ऊर्जा तथा गैर पंरपरागत ऊर्जा के साधनों में अंतर लिखे।

उत्तर—परंपरागत ऊर्जा—

क.यह भी प्राचीन काल से प्रयोग होने वाले ऊर्जा के साधन हैं जिनकी मात्रा सीमित है।

ख.यह समाप्त होने वाले साधन हैं।

ग.कोयला,पेट्रोलियम,परमाणु ऊर्जा,जल शक्ति परंपरागत ऊर्जा की श्रेणी में आते हैं।

घ.यह ऊर्जा का सुविधाजनक और बहुप्रचलित रूप है।

गैर पंरपरागत ऊर्जा—

क.यह भी प्राचीन काल से प्रयोग होने वाले ऊर्जा के साधन हैं किंतु इनका आज के संदर्भ में महत्व बढ़ गया है।

ख.यह कभी न समाप्त होने वाले साधन हैं।

ग.सौर ऊर्जा,भूतापीय ऊर्जा,ज्वारीय ऊर्जा,पवन ऊर्जा,कूड़े कचरे गोबर मल मूत्र से तैयार ऊर्जा इसी श्रेणी में आते हैं।

4.भारत में कोयले के वितरण पर प्रकाश डालिए।

उत्तर-भारत में कोयले का लगभग 21400 करोड़ टन भंडार है। आजकल भारत में प्रतिवर्ष 33 करोड़ टन कोयला निकाला जाता है। कोयला के अधिकांश क्षेत्र प्रायद्वीपीय पठार के उत्तरी पूर्वी भाग में पाए जाते हैं। उत्पादन का दो तिहाई कोयला झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में निकाला जाता है। शेष एक तिहाई कोयला, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से प्राप्त होता है।

5.कायांतरित से आप क्या समझते हैं? इसके क्या लाभ हैं?

उत्तर-कायांतरित शैल या चट्टानें आग्नेय या अवसादी शैलों का बदला हुआ रूप होता है। सर्दियों के दबाव या गर्मी के प्रभावधीन आग्नेय या अवसादी शैल कायांतरित शैल में बदल जाती है। और नई खनिज का निर्माण होता है। जैसे—चूना संगमरमर में बदल जाता है और शैल स्लैट में बदल जाता है। कायांतरित शैल या चट्टानें दोनों आग्नेय एवं अवसादी शैल से अधिक मजबूत होती हैं और मजबूत होने के कारण उनका मूल्य भी काफी बढ़ जाता है।

6.प्राकृतिक गैस और बायोगैस में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर-प्राकृतिक गैस—

क. खनिज तेल के साथ तथा बिना खनिज तेल के साथ पाई जाने वाली गैस प्राकृतिक गैस कहलाती है।

ख. इसका उपयोग मुख्यतः प्रदूषण कम करने के लिए उपयोग परिवहन तथा घरेलू कार्यों में किया जाता है।

ग. प्राकृतिक गैस उर्जा का समाप्य तथा परंपरागत साधन है।

घ. घरेलू कार्यों में प्रयोग होने वाली गैस एलपीजी तथा वाहनों में प्रयोग होने वाले गैस प्राकृतिक गैस कही जाती है।

बायोगैस—

क. जैविक पदार्थों के सङ्ग गन्ने के बाद उत्पन्न होने वाली गैस बायोगैस कहलाती है।

ख. इसका उपयोग मुख्यतः घरेलू उपयोग में किया जाता है।

ग. उर्जा का असमाप्य संसाधन नहीं है।

घ. बायोगैस का कोई वर्गीकरण नहीं है।

17.भारत में लोकतांत्रिक अधिकारों की चर्चा करें?

उत्तर-लोकतांत्रिक अधिकार का तात्पर्य उन व्यवस्थाओं से है जिनमें नागरिकों को शासन के कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होता है। लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अधिकारों का महत्व अधिक है। उनके प्रमुख लोकतांत्रिक अधिकार—

1. मतदान का अधिकार

2. निर्वाचित होने का अधिकार

3. प्रार्थना पत्र देने का अधिकार

4. कानूनों के समक्ष समता का अधिकार

5. सरकार की आलोचना करने का अधिकार

3. खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से उदारहरण दे।

उत्तर—1890 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था सामने आ चुकी थी इससे तकनीक में भी काफी बदलाव आ चुका था खाद्य उपलब्धता पर भी तकनीक का प्रभाव पड़ने लगा जो इस प्रकार है—

1. रेल का विकास—अब भोजन किसी आसपास के गांव या कस्बे से नहीं बल्कि हजारों मील दूर से आने लगा था। खाद्य पदार्थों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए रेलवे का इस्तेमाल किया जाने लगा था। बड़े आकार के जल पोतों द्वारा अब खाद्य पदार्थों को दूर-दूर के बाजारों में कम लागत पर और आसानी से पहुंचाना आसान हो गया।

2. रेफ्रिजरेटर की तकनीक युक्त जहाजों के कारण अब अमेरिका से यूरोप भेजे जाने वाली चीजों को भी लंबी यात्राओं में ले जाया जाना आसान हो गया। इससे ना केवल समुद्री यात्रा में आने वाला खर्च कम हुआ बल्कि यूरोप में मांस के दाम गिर गए और वहाँ के लोगों को एक अच्छी खुराक मिलने लगी।

16. 19वीं सदी में भारत में महिलाओं पर मुद्रण संस्कृति के प्रसार का क्या असर हुआ?

उत्तर—क. 19वीं सदी भारत में मुद्रण संस्कृति के प्रसार का महिलाओं पर व्यापक प्रभाव महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आया महिलाओं की जिंदगी और उनकी भावनाओं पर गंभीरता से पुस्तकें लिखी गई।

ख. मध्यवर्गीय घरों की महिलाएं पहले से ज्यादा पढ़ने लगी। 19वीं सदी के मध्य में छोटे-बड़े शहरों में स्कूल बने तो उदारवादी पिता और पति महिलाओं को पढ़ने के लिए भेजने लगे।

ग. महिलाओं में जागरूकता आई। कट्टर रुढ़िवादी परिवार की रस सुंदरी देवी ने रसोई में छिपकर पढ़ना सीखा और 'आमार जीबन' नामक आत्मकथा लिखी जो 1876 में प्रकाशित हुई।

घ. कई पत्रिकाओं ने लेखिकाओं को जगह दी और उन्होंने नारी शिक्षा की जरूरत पर जोर दिया।

14. भारत में कृषि आधारित उद्योग में भारतीय अर्थव्यवस्था का क्या महत्व है?

उत्तर—उद्योग कृषि पर आधारित होते हैं उनको कृषि आधारित उद्योग कहते हैं। इन कृषि को आधारित उद्योगों का भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना विशेष महत्व है जो निम्नलिखित है—
क. वे दैनिक जीवन में काम आने वाली अनेक वस्तुओं का निर्माण करते हैं और लोगों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ख. कृषि प्रधान देश के लिए कृषि पर आधारित उद्योगों का अपना विशेष महत्व है कच्चा माल हमारे देश में है प्रयोग हो जाता है और तैयार होने पर उसकी कीमत कई गुणा बढ़ जाती है। ऐसे में हमारी आय में कई गुना बढ़ोतरी हो जाती

अथवा

ऋण के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों के अंतर को स्पष्ट करे।

उत्तर—औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों के निम्नलिखित अंतर है—

औपचारिक	अनौपचारिक
1. ये सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं जैसे बैंक और सहकारी समितियां।	1. ये सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते हैं जैसे—साहुकार, व्यापारी और रिश्तेदार आदि।
2. इनका ब्याज दर निश्चित होती है।	2. इनका ब्याज दर निश्चित नहीं होती है।
3. औपचारिक ऋण के स्रोतों से ऋण लेने पर शोषण नहीं होता है।	3. अनौपचारिक ऋण के स्रोतों से ऋण लेने पर शोषण होता है।
4. इसकी निगरानी RBI करती है और इनका उद्देश्य सामाजिक कल्याण के लिए ऋण प्रदान करना है।	4. इनकी निगरानी RBI नहीं करती है और इनका उद्देश्य लाभ कमाने के लिए होता है।

7. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर—विकास का मतलब केवल वर्तमान को खुशहाल बनाना ही नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य बनाना भी है। धारणीयता का मतलब होता है ऐसा विकास करना जो आने वाले कई वर्षों तक सतत चलता रहे। यह तभी संभव होता है जब हम संसाधनों का दोहन करने के बजाय उनका विवेकपूर्ण इस्तेमाल करते हैं। पिछली सदी में दुनिया की तेजी से औद्योगिकीकरण से स्थाई विकास का मुद्दा उभरा है। यह महसूस किया जाता है कि बहुत आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण ने प्राकृतिक संसाधनों का बहुत शोषण किया है।

9. आय के अतिरिक्त और कौन से अन्य कारक हैं जो हमारे जीवन में महत्वपूर्ण निभाते हैं?

उत्तर—प्रत्येक व्यक्ति के लिए सिर्फ आय ही कारक नहीं हो सकता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जिसका समाज में कई कारकों के द्वारा महत्वपूर्ण माना जाता है। आय के अतिरिक्त बेहतर जीवन के लिए परिवार, रोजगार, मित्रता, सुरक्षा व समानता की भावना, शांतिपूर्ण माहौल आदि भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मुद्रा से केवल भौतिक वस्तुएं (भोजन, कपड़ा, गाड़ी) ही खरीदी जा सकती हैं।

12. जालियांवाला बाग हत्याकांड पर टिप्पणी लिखे।

उत्तर—क. रॉलेक्ट एकट के विरोध में महात्मा गांधी और सत्यपाल किंचलू गिरफ्तार हो चुके थे। अमृतसर में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया था। 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी पर्व के दिन अमृतसर के जालियांवाला बाग में मेले का आयोजन किया गया था। अमृतसर के सैनिक प्रशासन जनरल डायर ने इस सभा को अवैध घोषित कर दिया काफी लोग तो सरकार द्वारा लागू किए गए दमनकारी कानून का विरोध करने के लिए भी एकत्रित हुए थे।

9. ब्रिटेन की महिला कामगारों ने स्पिनिंग जेनी मशीन पर हमले क्यों किए?

उत्तरः— स्पिनिंग जेनी मशीन ने उन की कताई की प्रक्रिया बहुत तेज कर दी। स्पिनिंग जेनी मशीन एक समय में अनेक मजदुरों का कार्य कर लेती है। इसके कारण मजदुरों की माँग घट गयी। बेरोजगारी की आंशका से मजदुर वर्ग खासकर महिलाओं में नयी प्रोद्योगिकी के प्रति आंशका व्याप्त थी। जब उन उद्योग में इस मशीन का इस्तेमाल किया गया तो अनेक औरतों, जो हाथ से उन की कताई करती थीं को कम से हटना पड़ा। इसी पर हमले कामगारों ने स्पिनिंग जेनी मशीन का महिलाओं द्वारा विरोध काफी लंबे समय तक चलता रहा।

13. अतिरिक्त मुद्रा वाले लोगों और जरुरतमंद लोगों के बीच बैंक किस तरह मध्यस्थता करता

उत्तरः— साधारणतयः दो प्रकार के लोग बैंकों में जाते हैं एक वे जिनके पास अतिरिक्त धन होता है और दूसरे वे जिन्हें धन की जरुरत होती है। बैंक इन दोनों प्रकार के लोगों के बीच मध्यस्थता प्रदान करता है। जिसके पास अतिरिक्त धन होता है ऐसे जमाकर्ताओं को बैंक सुध देती है और जिन्हे धन की जरुरत होती है उनसे बैंक सुध प्राप्त करते हैं। धन कर्ज लेने वालों से बैंक सुध की उँची दर लेते हैं जबकि जमाकर्ताओं को वे सुध को कम कर देते हैं और इस प्रकार उनके पास जो धन बच जाता है उससे वे अपना काम चलाते हैं। बैंकों की माध्यता से सब वर्गों का कल्याण हो जाता है, साथ में बैंकों का भी।

15. जी-77 देशों से आप क्या समझते हैं?

उत्तरः— जी-77 विश्व के 77 विकासशील देशों का एक ऐसा समूह था जिन्हें 1944 में होने वाले ब्रिटेन वुड्स के सम्मेलन में होने वाले नियमों से कोई लाभ नहीं हुआ था इसलिए वे एक नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली की माँग करने लगे थे। जी-77 को ब्रिटेन वुड्स की जुड़वा संतानों की प्रतिक्रिया के रूप में विकासः—ब्रिटेन वुड्स के सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोण और विश्व बैंक पर केवल कुछ शक्तिशाली विकसित देशों का ही दबदबा था। इसलिए उनसे विकासशील देशों को कोई विशेष न हुआ। इसलिए इन ब्रिटेन वुड्स की जुड़वा संतान की प्रतिक्रिया के रूप में विकासशील देशों के जी-77 नामक देशों ने नई

16. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाओं के समक्ष विस्तार की चुनौती क्या है?

उत्तरः— लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाओं के समक्ष विस्तार की चुनौती है। लोकतंत्र के विस्तार की चुनौती है कि सता में साझेदारी को विस्तृत बनाया जाए और इसी उद्देश्य से विकेन्द्रीकरण के सिद्धांत को अपनाया जाता है। इस प्रकार सरकार की सता को कई स्तरों पर बांट दिया जाता है। जैसे— केंद्र सरकार, राज्य सरकार तथा स्थानीय प्रशासनिक इकाईया। सता में साझेदारी की विस्तृत बनाने के लिए वंश, लिंग, जाति, धर्म, संप्रदाय, भाषा, स्थान आदि के आधार पर भेदभाव मिटाने की चुनौती है इसके भारत ने अनेक प्रयास किए। पंचायती राज्य की स्थापना की गई है, सता में साझेदारी को विस्तृत करने के लिए पंचायती राज व्यवस्थाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण दिया गया है।

17. एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

उत्तरः— एक अर्थव्यवस्था में मुद्रा की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। मुद्रा की सहायता से ही हम किसी वस्तु को खरीद या बेच सकते हैं। व्यापार में तो मुद्रा की बहुत ही अहम भूमिका होती है क्योंकि मुद्रा की सहायता से एक स्थान से वस्तुओं को खरीद करके दुसरे स्थान पर उसे बेचा जाता है। बजट निर्माण में भी मुद्रा की अहम भूमिका होती है, कोई बजट कितना बड़ा है, मुद्रा के आधार पर ही उसे मापा जाता है। राष्ट्रीय आय गणना में मुद्रा की विशेष भूमिका होती है। देश की राष्ट्रीय आय की गणना मुद्रा में की जाती है जो देश के निवासियों का जीवन स्तर को दर्शाती है। मुद्रा के बिना राष्ट्रीय आय की गणना करना बहुत ही कठिन है। इस प्रकार किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रा की बहुत ही अहम भूमिका होती है।

13. विकास में ऋण की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः— विकास में ऋण की भूमिका :— (क) जिन लोगों के पास अपना काम चलाने के लिए धन नहीं होता वे ऋण लेकर अपना काम चला लेते हैं। (ख) देश के विकास में ऋण की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। (ग) ऋण ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की ओर शहरी क्षेत्रों में व्यापारियों और उद्योगपतियों की विशेष सहायता करता है। (घ) ऋण साधारण लोगों के लिए भी काफी लाभकारी सिद्ध होता है। इसके सहायता से लोग अपने घर का निर्माण कर सकते हैं, और आने-जाने के लिए वाहन खरीद सकते हैं। ऋण की दर कम होनी चाहिए ताकि लोगों को ऋण चुकाने में आसानी रहें।

14. ऋण की शर्तों का उल्लेख करें।

उत्तरः—ऋण के लिए निम्नलिखित शर्त होता है—

- (क) ऋण लेने वालों को बैंकों को अपनी आय के साथ प्रमाण देना पड़ता है।
- (ख) सिक्योरिटि के रूप में बैंक में कुछ जमा करना पड़ता है। जैसे— जमीन का कागजात आदि।
- (ग) ऋण लेने के लिए गारंटर का होना आवश्यक है।

15. खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से दो उदाहरण दे।

उत्तरः— खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से उदाहरण—

- (क) यातायात और परिवहन साधनों में काफी सुधार किया गया। तेज चलाने वाली रेल गाड़ियाँ बनाई गई और बोगियों का भार को भी कम किया गया जिससे किसी भी उत्पाद को खेतों से दूर-दूर के बाजारों में कम लागत पर ही असानी से पहुँचा जा सके।
- (ख) 1870 के दशक तक अमेरिका से यूरोप को मांस का निर्यात नहीं किया जाता था क्योंकि उस वक्त तक मांस का निर्यात करने के लिए उचित तकनीक नहीं था। नई तकनीक के आने पर रेफ्रिजरेशन की तकनीक स्थापित कर दी गई जिससे जल्दी खराब होने वाली चीजें भी लंबी यात्रा पर ले जाया जा सकता था।

15. ईस्ट इंडिया ने भारतीय बुनकरों से सूती और रेशमी कपड़े की नियमित आपर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या किया?

उत्तरः—कंपनी को माल बेचने के वाले बुनकरों को अन्य खरीदारों के साथ कारोबार करने पर पाबंदी लगा दी गई। इसके लिए उन्हें पेशागी रकम दी जाती थी। एक बार काम का ऑर्डर मिलने पर बुनकरों को कच्चा माल खरीदने के लिए दे दिया जाता था। जो कर्ज लेते उसमें वे किसी भी व्यापारी को नहीं बेच सकते थे। जैसे—जैसे कर्ज मिलते गए और महीन कपड़े की माँग बढ़ने लगी, ज्यादा कमाई की आस से बुनकरों पेशागी स्वीकार करने लगे। बहुत सारे बुनकरों के पास जमीन के छोटे-छोटे पट्टे थे जिनपर वे खेती करते थे और अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर लेते थे। अब वे इस जमीन को भाड़े पर देकर पूरा समय बुनकरी में लगाने लगे। अब पूरा परिवार यही काम करने लगा। बच्चे व औरते सभी कुछ न कुछ काम करते थे।

16. किन कारणों से लोकतंत्र को अन्य शासन से बेहतर बताया गया है?

उत्तरः—लोकतंत्र को अन्य शासन प्रणाली से बेहतर बताया गया है क्योंकि इस शासन व्यवस्था में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं जो शासन व्यवस्था में नहीं है। (क) जनमत पर आधारित शासन—यह शासन जनता की इच्छा के अनुसार चलाया जाता है और प्रत्येक की इच्छा को ध्यान में रखा जाता है। (ख) समानता और स्वतंत्रता का पोषक—लोकतंत्र के अंतर्गत जाति, वंश, रंग, धर्म, लिंग आदि के भेदभाव नहीं किया जाता है। कानून के सामने सभी नागरिक समान माने जाते हैं। सभी नागरिकों को अपने विचार, भाषण, सभा आदि करने की छूट दी जाती है। (ग) व्यक्ति की गरिमा में वृद्धि—इसमें सभी नागरिकों को समान माना जाता है। सभी व्यक्ति गरिमा के साथ जीता है। उसे हेय दृष्टि से नहीं देखा जाता हो।

17. मुद्रा आवश्यकताओं के दोहरे संयोग की समस्याओं को किस प्रकार सुलझाती है?

उत्तरः—वस्तु विनिमय व्यवस्था में चीजों का आदान-प्रदान चीजों से होता है और उसमें मुद्रा के प्रयोग की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती। परंतु ऐसा करना कितना कठिन है यह एक उदाहरण से स्पष्ट हो जाएगा। एक जूता बेचने वाला गेहूँ खरीदना चाहता है। पहले वो उसे जूता खरीदने वाला व्यक्ति खोजना पड़ेगा कि ऐसा व्यक्ति कहाँ है, जो एक तरफ तो जूता खरीदना चाहता है और दुसरी तरफ गेहूँ बेचना चाहता है। इस प्रकार इस लेन-देन में संयोगों की आवश्यकता पड़ती है। पहले तो जुता खरीदने वाला व्यक्ति खोजा जाए और दूसरे वह गेहूँ बेचने के लिए तैयार हो जाती है।

16. राजनितिक दलों के सुधार के उपायों की चर्चा करें।

उत्तरः— राजनितिक दलों के सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए हैं—

(क) चुनाव आयोग ने एक आदेश के जरिए सभी दलों के लिए संगठित चुनाव कराना और आयकर का रिट्टन भरना आवश्यक कर दिया है।

(ख) विधायकों और सांसदों को दलबदल करने से रोकने के लिए संविधान में संसोधन किया गया।

(ग) उच्चतम न्यायलय ने पैसे और अपराधियों का प्रभाव कम करने के लिए एक आदेश जारी किया गया।

(घ) चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को अपनी संपत्ति के ब्यौरे का शपथ पत्र के माध्यम से देना अनिवार्य कर दिया गया।

17. ऋण के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों के अंतर को स्पष्ट करें।

उत्तरः— ऋण के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों में अंतर निम्नलिखित अंतर है—

औपचारिक	अनौपचारिक
(क) ये सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं जैसे—बैंक और सहकारी समितियाँ।	(क) ये सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते हैं जैसे—साहुकार, व्यापारी और रिश्तेदार आदि।
(ख) इनका ब्याज दर निश्चित होता है।	(ख) इनका ब्याज दर निश्चित नहीं होता है।
(ग) औपचारिक स्रोतों से ऋण लेने पर शोषण नहीं होता है।	(ग) औपचारिक स्रोतों से ऋण लेने पर शोषण होता है।
(घ) इसकी निगरानी RBI करती है और इनका उद्देश्य सामाजिक कल्याण के लिए ऋण प्रदान करना है।	(घ) इसकी निगरानी RBI नहीं करती है और इनका उद्देश्य केवल लाभ कमाने के लिए होता है।

18. भारत में चाय की खेती कहाँ की जाती है? इसके आवश्यक परिस्थितियों का वर्णन करें।

उत्तरः— चाय की खेती मुख्य रूप से असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु तथा केरल में की जाती है। इसके लिए आवश्यक भौगोलिक परिस्थितियां निम्नलिखित हैं—

(क) इसकी कृषि हेतु लेटेराइट मिट्टी वाली ढालू भूमि उत्तम है।

(ख) इसके लिए कुशल एवं रास्ते श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

(ग) इसके लिए 20°C से 30°C तापमान आवश्यक होता है।

(घ) 150 सेमी से 200 सेमी वार्षिक वर्षा इसके लिए उपयुक्त होती है।

(Model) 52. मानचित्र में प्रदर्शित बिंदु के सामने दिए गए नाम को उचित स्थान पर लिखें— लोहा इस्पात उद्योग जमशेदपुर,लौह अयर्स्क खदान बैलाडिला,भाखड़ा नांगल बांध,सूती वरन्त्र उद्योग सूरत,बंदरगाह विशाखापत्नम ।

1.भारत के दिए गए रेखा मानचित्र में प्रदर्शित खनिज उत्पादन केंद्र एवं तेल परिष्करणशालाओं के नाम उचित स्थान पर लिखे—पाराद्वीप, नेल्लौर अभ्रक क्षेत्र, हल्दिया, कोयला क्षेत्र, कोच्चि ।

2.मानचित्र में प्रदर्शित खनिज उत्पादक केंद्र एवं पतन के नाम उचित स्थान पर लिखे—हजारीबाग,अजमेर,लौह अयस्क क्षेत्र,चेन्नई और मंगलुरु।

(Model) 52. मानचित्र में प्रदर्शित बिंदु के सामने दिए गए नाम को उचित स्थान पर लिखें— लोहा इस्पात उद्योग जमशेदपुर,लौह अयस्क खदान बैलाडिला,भाखड़ा नांगल बांध,सूती वस्त्र उद्योग सूरत,बंदरगाह विशाखापत्नम।

1.भारत के दिए गए रेखा मानचित्र में प्रदर्शित खनिज उत्पादन केंद्र एवं
तेल परिष्करणशालाओं के नाम उचित स्थान पर लिखे—पाराद्वीप, नेल्लौर
अभ्रक क्षेत्र, हल्दिया, कोयला क्षेत्र, कोच्चि ।

2.मानचित्र में प्रदर्शित खनिज उत्पादक केंद्र एवं पतन के नाम उचित स्थान पर लिखे—हजारीबाग,अजमेर,लौह अयस्क क्षेत्र,चेन्नई और मंगलुरु।